बेंगलुरु में होगा दिसंबर में विश्व टेनिस लीग

रयबाकिना, मेदवेदेव, किर्गियोस और भारत के शीर्ष खिलाड़ी बेंगलुरु में जमाएंगे रंग

नई दिल्ली, 18 नवंबर विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल), जिसने पिछले तीन वर्षों में यूएई में लगातार दर्शकों को रोमांचित किया है, पहली बार इस दिसंबर भारत में पदार्पण करने जा रही है।

आइकॉनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स लिमिटेड द्वारा लाइसेंस प्राप्त और संचालित यह प्रतिष्ठित लीग 17 से 20 दिसंबर तक चार दिनों तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में अपना जलवा बिखेरेगी। कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ के स्वामित्व और प्रबंधन वाले इस स्टेडियम में होने वाला यह आयोजन न सिर्फ एक टूर्नामेंट है, बल्कि भारत के उभरते टेनिस परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण साबित होने वाला है। डब्ल्यूटीएल अपने अनूठे टीम-आधारित फॉर्मेट, तेज रफ्तार प्रतियोगिताओं और मनोरंजन के साथ हमेशा से वैश्विक टेनिस कैलेंडर में एक अलग पहचान बनाकर चलता आया है। इस बार भी लीग उसी परंपरा को जारी रखते हुए टेनिस जगत के कई बड़े नामों को एक मंच पर ला रही है। दानिल मेदवेदेव, निक किर्गियोस, एलेना रयबाकिना, पाउला बडोसा, गाएल मोंफिल्स, आर्थर फिल्स, मैग्डा लिनेट और मार्टा कोस्त्युक जैसे खिलाड़ी इस संस्करण के मुख्य आकर्षण होंगे। उनके साथ भारत के बेहतरीन खिलाड़ी—सुमित नागल, युकी भांबरी, रोहन बोपन्ना, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपती, माया रेवती, दक्षिणेश्वर सुरेश और शिविका बर्मन—भी कोर्ट पर दिखाई देंगे। अंतरराष्ट्रीय और भारतीय प्रतिभा का यह संयोजन भारतीय प्रशंसकों के लिए एक ऐतिहासिक अनुभव लेकर आएगा। भारत में टेनिस की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। ऐसे में डब्ल्यूटीएल का भारत में पदार्पण इस प्रवाह को और भी मजबूत करेगा।

अल्काराज हैमस्ट्रिंग चोट के कारण डेविस कप से बाहर

मैड्रिड. विश्व नंबर 1 कार्लोस अल्काराज चोट के कारण इटली के बोलोग्ना में होने वाले डेविस कप फाइनल के लिए स्पेन की टीम से हट गए हैं। रविवार को एटीपी फाइनल्स के फाइनल में जैनिक सिनर से हारने के बाद अल्काराज को हैमस्ट्रिंग में हल्की चोट लगी थी, और हालांकि वह प्रतियोगिता में भाग लेने की उम्मीद से बोलोग्ना गए थे, लेकिन जांच के बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'मेरे दाहिने हैमस्ट्रिंग में सूजन है और चिकित्सा सलाह है कि मैं प्रतियोगिता में भाग न लूँ।' अल्काराज ने आगे कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि स्पेन के लिए खेलना सबसे अच्छी बात है, और मैं सचमुच खिताब के लिए लड़ना चाहूंगा। मैं उदास होकर घर जा रहा हूँ।'

सिनर से मैच हारने के बाद लगी थी चोट

चिकित्सकों ने स्पर्धा में भाग न लेने की दी सलाह

चिराग-सात्विक प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

आस्ट्रेलियन ओपन

- चीनी ताइपे जोड़ी को सीधे सेटों में हराया
- को-ची और वेई को 48 मिनट में हराया

सिडनी, 18 नवंबर. एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मंगलवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने राउंड ऑफ 32 के मैच में गैर-वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की जोड़ी चांग को-ची और पो ली-वेई को 48 मिनट में 25-23, 21-16 से हराया। भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने धीमी शुरुआत की और शुरुआती गेम में 6-2 से पिछड़ रही थी, लेकिन लगातार चार अंक बनाकर वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया।चांग को-ची और पो ली-वेई ने 9-7 के स्कोर पर फिर से बढ़त बना ली, लेकिन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने वापसी जारी रखी और स्कोर 9-9 और फिर 16-16 पर बराबरी पर आ गए। 19-19 के स्कोर पर मुकाबला कड़ा हो गया.

दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। चिराग-सात्विक ने 7-4 की बढ़त बनाई, लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 8-8 कर लिया और फिर 10-8 से आगे हो गई। इसके बाद, भारतीयों ने अपनी गति बदली और लगातार छह अंक बनाकर चार अंकों की बढ़त बना ली। चांग को-ची और पो ली-वेई ने अंतर को दो अंकों तक कम कर दिया, लेकिन चिराग और सात्विक ने तीन अंक हासिल करके मैच अपने नाम कर लिया और दोनों जोड़ियों के बीच पहला आमने-सामने का मुकाबला जीत लिया।

भारत का एयर राइफल में दोहरा पोडियम

मिश्रित टीमों ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण और कांस्य पदक अपने नाम किए

नई दिल्ली, 18 नवंबर. टोक्यो में आयोजित 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलंपिक्स में भारतीय निशानेबाजों ने एक बार फिर अपने लगातार शानदार प्रदर्शन से देश का मान बढ़ा दिया।

मंगलवार को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत ने न केवल स्वर्ण बल्कि कांस्य पदक भी जीतकर प्रतियोगिता में अपना दूसरा दोहरा पोडियम हासिल किया। यह उपलब्धि भारतीय दल की बढ़ती ताकत और निरंतरता को दर्शाती है, जिसने पिछले तीन दिनों में कुल नौ पदक जीतकर अपने अभियान को एक मजबूत दिशा दी है। स्वर्ण पदक धनुष श्रीकांत और माहित संधू की जोड़ी ने जीता, जबकि कांस्य पदक मोहम्मद मुर्तज़ा वानिया और कोमल मिलिंद वाघमारे की जोड़ी के नाम रहा। स्वर्ण पदक मुकाबले में धनुष और माहित ने शुरुआत से ही कमाल की फॉर्म दिखाते हुए दक्षिण कोरिया की जियोन डैन और किम वूरिम की जोड़ी पर दबदबा बना लिया। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती राउंड में 4-0 की बढ़त स्थापित की, जिसने विपक्षी टीम पर मानसिक दबाव बढ़ा दिया। पूरी मैच अवधि में भारतीय निशानेबाजों ने अपनी लय और एकाग्रता को कायम रखा और कोरियाई खिलाड़ियों को वापसी का कोई बड़ा मौका नहीं दिया। शानदार समन्वय और स्थिर निशानेबाजी की बदौलत यह जोड़ी 17-7 के व्यापक अंतर से विजयी रही। यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि यह धनुष श्रीकांत का इस डेफलंपिक्स में दूसरा स्वर्ण पदक है, जबकि माहित संधू ने अपनी व्यक्तिगत स्पर्धा में जीते रजत पदक के साथ इस स्वर्ण को जोड़ते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया।

धनुष-माहित ने जीता शानदार स्वर्ण पदक

मुर्तज़ा-कोमल ने दिलाया कांस्य पदक

तीन दिनों में भारत ने नौ पदक जीते

कॉस्य के लिए मुकाबला काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा

दूसरी ओर कांस्य पदक का मुकाबला काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। भारतीय टीम का सामना यूक्रेन की वायलेटा लाइकोवा और ओलेक्सांद्र कोस्तिक की जोड़ी से था। लाइकोवा महिला व्यक्तिगत स्पर्धा की स्वर्ण पदक विजेता हैं, इसलिए मुकाबला स्वाभाविक रूप से कड़ा होने वाला था। मैच की शुरुआती चार सीरीज के बाद दोनों टीमें 4-4 की बराबरी पर थीं, जिससे मुकाबला पूरी तरह खुला हुआ था। छठी सीरीज के बाद यूक्रेन की जोड़ी 7-5 से आगे निकल गई, जिससे भारतीय टीम पर दबाव बढ़ा। लेकिन मुर्तज़ा वानिया और कोमल ने अपनी शांति, संयम और तकनीकी दक्षता के दम पर मैच में शानदार वापसी की। अगले चार राउंड में भारतीय जोड़ी ने लगातार अंक जोड़ते हुए स्कोर को 7-7, फिर 8-8 और उसके बाद 10-10 से बराबरी पर ला दिया। यह चरण मुकाबले का सबसे रोमांचक हिस्सा रहा.

मिशेल वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नेपियर, 18 नवंबर न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। हेनरी निकोल्स, जिन्हें पहले नेपियर में दूसरे वनडे के लिए उनकी जगह चुना गया था, टीम का हिस्सा बने रहेंगे। हेगले ओवल में पहले वनडे में न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज पर सात रन की जीत में अपना सातवां वनडे शतक लगाते समय मिशेल को जांघ में तकलीफ हुई और वह दूसरी पारी के लिए मैदान पर नहीं लौटे। ग्रोइन स्कैन में मामूली चोट का पता चला है जिसके लिए दो हफ्ते के रिहैबिलिटेशन की आवश्यकता होगी। मिशेल के वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 दिसंबर से हेगले ओवल में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले ठीक होने की उम्मीद है।

▸ दो हफ्ते रहेंगे रिहैबिलिटेशन पर

अर्जुन ने क्वार्टर फाइनल का पहला गेम ड्रॉ कराया

चीनी ग्रैंड मास्टर वेई यी से खेलीं 31 चालें

पणजी, 18 नवंबर ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (2773) ने 20 लाख डॉलर के ईनामी फ़िडे विश्व कप के पहले क्लासिकल क्वार्टर फ़ाइनल मुक़ाबले में चीनी ग्रैंडमास्टर वेई यी (2754) को 31 चालों में बराबरी पर रोककर भारत का परचम लहराया।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के विजेता को नए विश्वनाथन आनंद कप फ़ाइनल में जगह और मार्च में साइप्रस में होने वाले कैंडिडेट्स 2026 में खेलने के लिए एक स्थान मिलेगा। आंध्र प्रदेश के वारंगल के इस खिलाड़ी को इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने खतरनाक चीनी ग्रैंडमास्टर वेई यी के ख़िलाफ ज़्यादा पसीना बहाए बिना अपना गेम ड्रॉ करा लिया। टाटा स्टील 2024 के इस चैंपियन ने शुरुआती मुक़ाबले में रुई लोपेज क्लोज़्ड सिस्टम का इस्तेमाल किया, जिसमें इस भारतीय खिलाड़ी को कोई दिक्कत नहीं हुई। उत्कृष्ट तैयारी का परिचय देते हुए, ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने पूरे समय समय की बढ़त बनाए रखी। 27वीं चाल तक, खेल का अंत ड्रॉ रूक-एंड-पॉन में हो गया था, और खिलाड़ी 30 चालों की सीमा पार करने के बाद तीन बार दोहराकर ड्रॉ पर सहमत हो गए। एक उल्लेखनीय विशेषता अर्जुन के खेल की असाधारण गति थी। उन्होंने खेल को शुरू से ज़्यादा समय में समाप्त किया, जो उनके आत्मविश्वास और तैयारी दोनों को दर्शाता है। दूसरा क्लासिकल मुक़ाबला अब एक निर्णायक मुकाबला बन गया है, जिसमें अर्जुन के पास सफ़ेद मोहरों से खेलने का लाभ है।

खेल का अंत ड्रॉ रूक-एंड-पॉन में हो गया था

अर्जुन ने चीनी खिलाड़ी के खिलाफ ज्यादा पसीना बहाए बिना ड्रा कराया

एक नजर में

ईडन पिच विवाद में घिरे गंभीर

नई दिल्ली. भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट की हार के बाद ईडन गार्डन की पिच को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. क्यूरेटर सुजान मुखर्जी के बयान से हलचल बढ़ गई है, जबकि सुनील गावस्कर, मोहम्मद कैफ और सौरव गांगुली ने कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर सवाल उठाए हैं.

शनाका टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में करेंगे कप्तानी

कोलंबो. श्रीलंका ने पाकिस्तान में होने वाली टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला से पहले टीम में कई बदलावों की घोषणा की है। कप्तान चरित असालंका और तेज़ गेंदबाज असिथा फर्नांडो दोनों बीमारी के कारण स्वदेश लौट आए हैं। हाल ही में संपन्न हुई एकदिवसीय श्रृंखला का हिस्सा रहे ये दोनों खिलाड़ी श्रीलंका, पाकिस्तान और ज़िम्बाब्वे के बीच होने वाले तीन देशों के टूर्नामेंट से बाहर रहेंगे क्योंकि टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ ने उन्हें भविष्य की प्रतिबद्धताओं से पहले उचित उपचार और रिकवरी का समय देने के लिए एहतियातन हटने की सलाह दी है। असालंका की अनुपस्थिति में, पूर्व सीमित ओवरों के कप्तान दासुन शनाका को त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए टीम की कमान संभालने के लिए कहा गया है। श्रीलंका ने पवन रथनायके को टी20 टीम में शामिल किया है, जबकि विजयकांत व्यासकांत को भी शामिल किया गया है। चयनकर्ताओं ने व्यासकांत को इसलिए चुना क्योंकि वानिंदु हसरंगा अभी भी दौरे के एकदिवसीय चरण के दौरान हुई हैमस्ट्रिंग की जकड़न से उबर रहे हैं।

केएससीए चुनाव 30 दिसंबर तक टले

बेंगलुरु. कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के चुनाव, जो मूल रूप से 30 नवंबर को होने वाले थे, अब 30 दिसंबर तक टाल दिए गए हैं क्योंकि चुनाव अधिकारी डॉ. बी. बसवराजू (सेवानिवृत्त आईएएस) ने एक सक्रिय अदालती आदेश और संघ की प्रबंध समिति की ओर से स्पष्टता की कमी का हवाला देते हुए प्रक्रिया को स्थगित कर दिया था। 17 नवंबर को लिखे एक पत्र में, डॉ. बसवराजू ने कहा कि उन्होंने 14 और 15 नवंबर को केएससीए को पत्र लिखकर चुनाव प्रक्रिया से संबंधित विशिष्ट प्रश्नों पर अनुपालन की मांग की थी, लेकिन उन्हें सोमवार सुबह ही जवाब मिला, साथ ही कुछ अनुलग्नक भी मिले जिनमें लंबित मुद्दों का पर्याप्त रूप से समाधान नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि माननीय निचली अदालत द्वारा ओ.एस. संख्या 7680/2025 में जारी निषेधाज्ञा अभी भी लागू है और अगली सुनवाई 16 दिसंबर को निर्धारित है। उन्होंने लिखा कि जब तक अदालत स्पष्ट निर्देश नहीं देती और सदस्यों के बीच आंतरिक भ्रम का कानूनी समाधान नहीं हो जाता, तब तक चुनाव प्रक्रिया जारी रखना उचित या उचित नहीं होगा। चुनाव अधिकारी ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और कानूनी रूप से अनुपालन योग्य चुनाव कराने की अपनी ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया और कहा कि कानूनी और प्रशासनिक चिंताओं के समाधान न होने के कारण वह इस प्रक्रिया को 30 दिसंबर तक स्थगित करने के लिए 'विवश' हैं। इस स्थगन पर वेंकटेश प्रसाद ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जो कई पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के समर्थन से केएससीए अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

डब्ल्यूपीएल 2026 की नीलामी दिल्ली में 27 को

- प्रत्येक टीम को 18 खिलाड़ियों की टीम बनाने की अनुमति
- पांचों टीमों में 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे

नयी दिल्ली, 18 नवंबर डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी 27 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित होगी। यह ऐलान इस महीने की शुरुआत में अगले सीजन के लिए वूमेंस प्रीमियर लीग की रिटेंशन लिस्ट जारी होने के बाद की किया गया है। डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन में हर क्रिकेट टीम को अधिकतम 18 खिलाड़ियों की टीम बनाने की अनुमति होगी। कुल मिलाकर, पांचों टीमों में 23 विदेशी खिलाड़ियों सहित 73 स्थान भरे जाने के लिए उपलब्ध हैं।

यूपी वारियर्स डब्ल्यूपीएल 2026 की नीलामी में सबसे ज्यादा बदलाव करेंगे, क्योंकि उन्होंने सिर्फ एक खिलाड़ी अनकैप्ड श्वेता सहरावत को रिटेन किया है। उनके पास सबसे बड़ा पर्स होगा, साथ ही चार राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्प भी उपलब्ध होंगे। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस और तीन बार की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स, जिन्होंने शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स को टीम में बनाए रखा है, ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। मेगा ऑक्शन में, उनके पास कोई राइट-टू-मैच (आरटीएम) विकल्प उपलब्ध नहीं होगा।

अब तक आयोजित तीन संस्करणों में, डब्ल्यूपीएल में कुछ खिलाड़ियों पर बहुत बड़ी बोली लगी हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा डब्ल्यूपीएल 2023 मेगा ऑक्शन में भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना के लिए 3.4 करोड़ रुपए खर्च करने के बाद, स्मृति मंधाना वर्तमान में डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे महंगी खिलाड़ी हैं। मंधाना, जिन्होंने 2024 डब्ल्यूपीएल सीजन में टीम को खिताब जिताया था, डब्ल्यूपीएल 2026 की नीलामी से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा रिटेन किए गए चार खिलाड़ियों में से एक हैं। कुल मिलाकर, पांचों क्रिकेट टीमों ने सात विदेशी क्रिकेटरों सहित 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया।

बैडमिंटन ▸ **'द लीजेंड्स' विजन-लेगेसी टूर इंडिया' आठ साल बाद नई दिल्ली लौटेगा**

साइना-पीटर करेंगे लीजेंड्स टूर का नेतृत्व

नई दिल्ली, 18 नवंबर भारत की बैडमिंटन आइकन और पद्म भूषण से सम्मानित साइना नेहवाल तथा डेनमार्क के महान शटलर और कई बार के विश्व चैंपियन पीटर गेड इस वर्ष 'द लीजेंड्स' विज़न-लेगेसी टूर इंडिया' का नेतृत्व करेंगे।

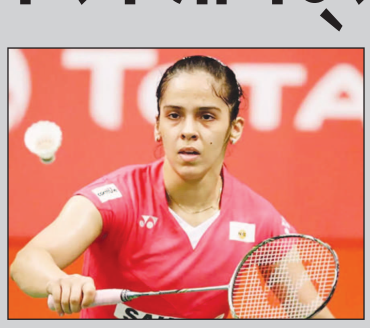

यह वैश्विक पहल बैडमिंटन को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने, जूनियर विकास कार्यक्रमों को मजबूत करने और समुदाय आधारित गतिविधियों के माध्यम से खेल को व्यापक पहुंच दिलाने पर केंद्रित है। कैरोलिना मारिन के बाद साइना इस वैश्विक समूह की नई सदस्यों में शामिल हुई हैं, जिससे भारत में बैडमिंटन के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। आठ साल बाद भारत लौट रहा यह प्रतिष्ठित टूर 23-24 नवंबर को नई दिल्ली के सीरी फ़ोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा। यह दो दिवसीय आयोजन न सिर्फ एक इवेंट है, बल्कि वह मंच है जहां दिग्गज खिलाड़ी और समुदाय एक साथ मिलकर बैडमिंटन के भविष्य को प्रेरित करेंगे, नई पीढ़ी में आत्मविश्वास जगाएंगे और शुरुआती रैलियों के अवसर बढ़ाएंगे। इस टूर का सबसे आकर्षक और भावनात्मक हिस्सा है 'ए रैकेट्स सेकंड लाइफ' पहल, जो द लीजेंड्स' विज़न की वैश्विक पहचान बन चुकी है। इसमें प्रशंसकों को अपने इस्तेमाल किए हुए रैकेट दान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है, ताकि उन बच्चों को बैडमिंटन खेलने का अवसर मिले जो संसाधनों की कमी के कारण इस खेल से दूर रह जाते हैं। यह पहल खेल को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है, जहां हर दान किया गया रैकेट किसी बच्चे के सपनों को नया पंख देता है।

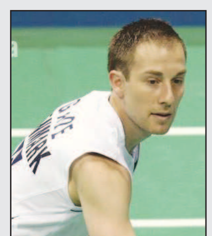

पहला दिन यानी 23 नवंबर जूनियर खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से समर्पित होगा। इस दिन साइना नेहवाल और पीटर गेड स्वयं कोर्ट पर उतरकर बच्चों के साथ इंटरैक्टिव सत्र लेंगे और उन्हें प्रशिक्षण देंगे। लीजेंड्स' विजन एंबेसडर्स और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मौजूदगी इस अनुभव को और भी यादगार बनाएगी। इसके बाद भारत में आधिकारिक रूप से 'ए रैकेट्स सेकंड लाइफ' पहल की शुरुआत की जाएगी। यह आयोजन उन युवा खिलाड़ियों के लिए एक अनूठा अवसर होगा, जो बैडमिंटन में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं और जिनके लिए साइना और गेड की यह सहभागिता प्रेरणादायक साबित होगी। कार्यक्रम के बारे में साइना नेहवाल ने अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कहा कि भारत में एक बार फिर द लीजेंड्स' विज़न लाना उनके लिए उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन ने उनके जीवन को दिशा दी है और जब भी उन्हें युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करने का अवसर मिलता है, वह हमेशा विशेष होता है।